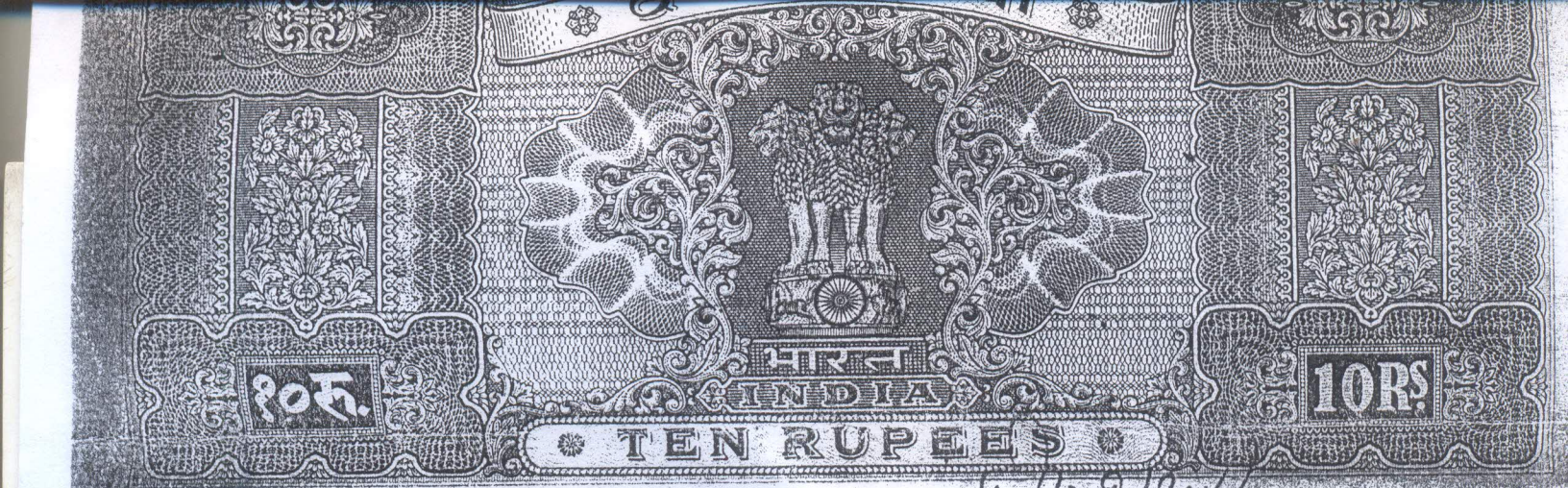

१० रु. भारत INDIA TEN RUPEES 10 RS.

१. लेख्यकारी :- श्री पटैत पद्मराज सिंह देव पिता स्वर्गीय राजा श्री धर्मजीत सिंह देव जात दासी पेशा खेती बारी निवास गाँव बिरु प्रगना बिरु थाना सिमडेगा जिला रांची" विक्रेता" —

२. लेख्यधारिणी :- श्री मति गिरिजा देवी पति जीवित श्री सोमनाथ मिश्र जात सकलदिपी ब्राह्मण पेशा नौकरी निवास स्थान ब्राह्मण बिगहा पोस्ट तिलैया (गेरुवाटी) जिला गया हाल मोकाम सिमडेगा प्रगना बिरु थाना सिमडेगा जिला रांची"

——————— क्रेता ———————

३. लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र केवाला " बैलाकलामी " पुत्र पुत्रादिक आल औलाद सदा दिन के लिए होता है। ——

४. मूल्य :- मो० पांच सौ रुपया अंके ५००) रु. जिस का आधा मो० दो सौ पचास रुपया अंके २५०) रु. होता है। ——

५. सम्पत्ति :- एक जिमात अन्दाज (०.०५ डि०) पांच डिसमील टांडयत कायमी रैयती जमीन वास मय हवेली जिस का पूरा विवरण नीचे दिया गया है। ——————

६. चूँ कि मुझ लेख्यकारी को " घरेलू खर्च घरेलू के लिए रुपयों की बड़ी आवश्यकता पड़ी, और इस समय इस काम के लिए रुपये मिलने

TEN RUPEES

का मिल आप सिवाय बिना जमीन बेचे नहीं है अतः
मैं ने उक्त लेख्यधारीणी से मेरी जमीन खरीदने की
प्रार्थना की और उन्हों ने लेना स्वीकार की। ——
२. इस लिए मैं ने अपनी इच्छा से शरीर और मन
की स्वस्थता में रह के ऊपर खाना संख्या ५ में वर्णित
जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारीणी श्री मति गिरिजा देवी
के हाथ से मो० ५००) रु. पांच सौ रुपया नगद कम्पनी
चुकता सो असुल पा कर बेंचा और इस जमीन
का अपना सारा अधिकार हक हकूक उक्त लेख्यधारीणी
तथा उन के उत्तराधिकारी गण जो हैं सो आइन्दे
होंगे हस्तान्तरित कर दिया अब से सैं बिक्रीत जमीन
पर मेरा कोई अधिकार न रहा, न मेरे किसी भी
उत्तराधिकारी या स्थान पत्र का। ——
३. मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि उक्त जमीन पर मेरा
निर्विवाद हक सो दखल कब्जा है, और किसी प्रकार
की आपत्ति नहीं है चाहिए की लेख्यधारीणी से
बिक्री की गई जमीन पर दखल कर रह के मकान,
कुआँ आदि बनावें, सो पैदावार जो भी हो पुत्र पौत्रादिक
तक परम सुख भोग तसर्रुफ किया करें सो जमींदार
बिहार सरकार बजरिये अंचलपदाधिकारी मोकाम
निमडेगा के शिरिस्ते से अपने नाम दाखिल खारिज
करावें सो मोकर्री मालगुजारी देके लगान
रसीद अपने नाम से लिया करें। ——
४. इस लिए ये बालापत्र "बैना कबाला" सदा
दिन के लिए लिख दिया की प्रमाण रहे। ——

[illegible] 29/3/66

विजय कुमार सिंह 29/3/66

BIHAR 10 Rs.

दस रुपया

१०रु. भारत INDIA 10RS.

TEN RUPEES

जमीन का पूरा विवरण :— वाके मौजा सलडेगा प्रगना बिरु थाना सिमडेगा थाना नं० ११६ तथा रजिस्ट्री आफिस सिमडेगा सदर रजिस्ट्री आफिस तथा जिला रांची अन्दर सिवट नं० २ खाता नं० १०८ पलाट नं० ६५६ रकबा २.२५ डि० में से ०.०५ डिसमील जमीन बीच। मिजान एक खाता के एक पलाट का रकबा ०.०५ डिसमील पांच डिसमील। मालगुजारी .१२ नये पैसे अलावे सेस। ——————

सम्पति सीमा से अधिक नहीं है। लैण्ड सीलिंग केस नं० ३ सन १९६४ ई० फैसला तिथि ३०.४.१९६५ ईस्वी है। —

मो० के कहने पर उन के इच्छानुसार कबाला पत्र लिखा और पढ़ कर सुना दिया तथा स्वयं पढ़ कर समझें बोले ठीक है। लिपिक — अजमर सिंह तारिक एडवोकेट सिमडेगा कचहरी। तारीख २१ जून १९66 ईस्वी। ——————

चौहद्दी :— उत्तर इसी पलाट का टुकड़ा लेन्य धारी अब से श्री मति श्याम पती देवी। दक्खिन इसी पलाट का टुकड़ा लेन्य कारी। बा.

अजमर सिंह २१.६.66 ई०। ——————

2Rs

INDIA

दो रुपया

दो रुपया

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

मैं पटैत श्री पद्मराज सिंह देव पिता स्व० राजा श्री धर्मजीत सिंह देव साकिन सिह थाना सिमडेगा जिला राँची का प्रमाणित करता हूँ कि जो सम्पत्ति का अन्तरण कर रहा हूँ वह सम्पत्ति विनिर्दिष्ट अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी

पटैत पद्मराज सिंह देव
२१।५।६६

विक्रेता पटैत श्री पद्मराज सिंह देव को मैं श्री विजय कुमार सिंह वल्द श्री गोविन्द सिंह साकिन सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला राँची ने पहचाना जो उन्होंने मेरे सामने हलफन तसदीक किया कि ऊपर ब्यान उनके जानकारी एवं विश्वास से सच्च है।

[signature] २१/५/७७

विजय कुमार सिंह
२१।५।६६

निबन्धन पदाधिकारी, सिमडेगा

2 RS

INDIA

दो रुपया

दो रुपया

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

मैं श्रीमति गिरिजा देवी जौजे जीवित श्री सोमनाथ मिश्र साकिन ब्रह्मणा बीघा पोस्ट तोलरा (गोपाटी) जिला गया का प्रमाणित करती हूँ कि अर्जित की जाने वाली सम्पति के आवेदन मेरे द्वारा धारित सम्पति अधिकतम सीमा से अधिक नहीं है।

(श्री) श्रीमति गिरिजा देवी
का निशान टीप
29.6.66

क्रेता श्रीमति गिरिजा देवी को मैं श्री विजय कुमार सिंह वल्द श्री गोविन्द सिंह साकिन सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला रांची ने पहचान की उन्हें मेरे सामने दस्तखत तसदीक किया कि अर्जी ब्यान उन्हें जानकारी एवं विश्वास से सत्य है।

विजय कुमार सिंह
29/6/66

बिरूआ (?) 29/6/66
अनुमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा.